एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत)
प्रश्न पत्र कूट संख्या –304 वर्ग –अ (साहित्य)
प्रश्न–पत्र IV– साहित्य शास्त्र - I

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

रसगंगाधर (प्रथम आनन) – आरम्भ से रसभेद निरूपण तक
ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)
सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्डो तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है, इसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है ।

पाठ्यक्रम की इकाइयां –

प्रथम इकाई – रसगंगाधर (प्रथम आनन) के आरम्भ से काव्यभेद तक ।
द्वितीय इकाई – रसगंगाधर (प्रथम आनन) के ' रसस्वरूप ' से लेकर रसभेद निरूपण तक
तृतीय इकाई – ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) कारिका (1–8) तक
चतुर्थ इकाई – ध्वन्यालोक पर (प्रथम उद्योत) कारिका (9–18) कारिका
पंचम इकाई – ध्वन्यालोक पर आधारित प्रश्न

प्रथम खण्ड – (वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

10 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न पूछे जायेगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समानभाव से पूछे जायेगे ।

द्वितीय खण्ड –(व्याख्यात्मक भाग एवं प्रश्न) **35 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जायेगे ।इसमें से प्रत्येक का उत्तर 250 शब्दों में देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 7–7 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखत प्रकार होगा –

(क) रसगंगाधर (प्रथम आनन) की आरम्भ से काव्यभेद निरूपण तक में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ख) रसगंगाधर प्रथम आनन) के रसस्वरूप से लेकर रसभेद निरूपण तक एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(ग) ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) कारिका 1–8 तक में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी । **7 अंक**
(घ) ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) कारिका 9–10 तक में से किसी एक कारिका की **सप्रसंग संस्कृत** –व्याख्या पूछी जायेगी **7 अंक**
(ड.) ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) के आधार पर ध्वनि की परिभाषा ,विपक्षी मतों का खण्डन , ध्वनि के पक्ष मे युक्तियां उदाहरण , काव्यस्यात्मा ध्वनिः आदि विषय पर आधारित प्रश्न **7 अंक**

तृतीय खण्ड (विवेचनात्मक भाग) 30 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएंगे । इनमे से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दो मे देना होगा । इनके लिए 15-15 अंक वाले है ।

(1) उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत रसगंगाधर (प्रथम आनन) के आरंभ से रसभेद निरूपण तक
आधारित विषयवस्तु पर होगा । **15 अंक**

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत पं. जनन्नाथ का व्यक्तित्व, कृतित्व, उनके साहित्यशास्त्र में उनका स्थान एवं रसगंगाधर की विषयवस्तु पर आधारित होगा । **15 अंक**

सहायक पुस्तकें

(1)रसगंगाधर – पंडित जगन्नाथ
(2)ध्वन्यालोक – आनंदवर्धन